भारतीय जनता पार्टी – हिमाचल प्रदेश

प्रदेश कार्यालय – मीडिया सैल

प्रैस विज्ञप्ति दिनांक 06.11.2017

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सतपाल सत्ती ने आज चुनाव प्रचार के दौरान ऊना बाजार, रामपुर जखेड़ा में कहा है कि वीरभद्र सिंह का जनाधार और कार्यकर्ताओं में पकड़ खिसकती जा रही है, उसका ताजा उदाहरण ठियोग विधानसभा क्षेत्र में उनका सम्बोधन अपनी पार्टी के प्रत्याशी के बारे में कि उनकी कोई जिम्मेदारी जीत–हार की नहीं है, उनकी निराशा और हताशा को दर्शाता है।

वर्तमान विधानसभा चुनाव में वे अपने को और अपने परिवार की राजनैतिक विरासत को बचाने में ही लगे हैं। वीरभद्र सिंह भाषा की मर्यादा भूल चुके हैं और अपने भाषणों में अनाप–सनाप बयानबाजी कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के निचले क्षेत्रों में वे अपने खिलाफ चल रहे मुकद्दमों के बारे में भाजपा के बड़े नेताओं पर टिप्पणियाँ कर रहे हैं, लेकिन प्रदेश की जनता अब वीरभद्र सिंह की असलियत को जान चुकी है कि न्यायालयों में चल रहे मुकद्दमे उनके केन्द्रीय मंत्री रहते हुए 2009 से 2012 के मध्य के हैं।

वीरभद्र सिंह को जवाब देना चाहिए कि उनके परिवार के लोगों की आमदनी में वृद्धि कुछ वर्षों में कैसे कई गुणा हो गई जबकि प्रदेश में वे अपने को चुनाव प्रचार में केन्द्रीय सरकारी तंत्र द्वारा तंग करने का आरोप लगा रहे हैं जबकि वीरभद्र सिंह की असलियत के बारे में प्रदेश की जनता जानती है कि 1998 में अपनी सरकार बनाने की फिराक में उनके इशारे पर रमेश धवाला को कैसे अगवा करके रखा गया था और बाद में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी थी।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा है कि पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिन्द्र सिंह भी प्रचार में कह रहे हैं कि यह उनका व राजा वीरभद्र सिंह का आखिरी चुनाव है तो वह ठीक ही कह रहे हैं। वैसे भी प्रदेश की जनता रजवाड़ाशाही मानसिकता से बाहर आने का मन बना चुकी है और भाजपा के पक्ष में चली लहर में भाजपा बड़े बहुमत से सरकार बनाएगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश की जनता को विश्वास दिलाया है कि भाजपा प्रदेश को साफ–सुथरी सरकार देगी और विकास में कोई कमी नहीं रहने देगी, क्योंकि केन्द्र की मोदी सरकार पहले ही बहुत–सी योजनाओं को हरी झण्डी दे चुकी है।

प्रदेश मीडिया प्रभारी
महेन्द्र धर्माणी
भारतीय जनता पार्टी, हि0प्र0।